खुरलूच्ची

मैथिली बाल कविता संगोर

-:: मुन्नाजी ::-

अपन मनतब.............!

प्रारम्यहि सॅ गद्य में विशेष रूचि रहल। पढ़बा आ लिखबा दुनू मे। गद्य में लघुक था (Short Story) आ विहनि कथा (Speed Story) हमर गद्य विधाक प्रिय प्रकार रहल। मुदा समालोचना मे क्रमश निरन्तरता आयल। एकर अतिरिक्त पद्य मे गजल आ कविता सेहो अपन लेखनीक अंग बनौने छी। मैथिलि मे पद्य विद्याक एकता प्रकार हाइकु मे उपस्थिति नगण्य रहल। अही से प्रेरित भ हाइकुक संगोर सेहो प्रकाशनाधीन अछि।

पद्य मे रचनारत अपन बालपन मोन पड़ैत रहल। नव2 गीत/कविता बुर्जुग सबस सुनैत रहलहु जे स्मृति मे अबैत रहल। मैथिलि पौढ साहित्यक दुनू विधाक कतेक प्रकार एखन पछुआयल अछि। बाल साहित्य त मैथिलि मे बाल्यावस्था मे पड़ल अछि। पहिने ठाम ठीम किछु रचना एलै मुदा दुनू विद्याक सभ प्रकार पर नै। आ जेहो रचना एलै से धारदार नै। पौढ़ द्वारा लिखल रचना मे रचनाकार द्वारा अपन मानसिकता थोपि छलै। बाल मनोविज्ञान व बाल मानसिकता के कतिया क राखि देल गेले।

ओना त प्रोत्साहन कोनो काजक सफलता मे प्रबल सहयोगि होइछ। काज केनिहार के बल प्रदान करैए। साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा बाल साहित्य पर पुरस्कार घोषणा एकरा गति देलकै। मैथिली बाल रचनाक समूह संख्या मे वृद्धि भेलैक। मुदा अन्हरी के गए बिएले से सुनि सब डाबा ल दौगल बला कहावत चरितार्थ भेल। पहिल बेरक पुरस्कार अनुदित पोथि के मूल कहि द देल गेलै। फेर निबंधात्मक संगोर के कथा संगोर कहि ....। मूल पुरस्कार जकॉ मे कृतित्व के कतिया व्यक्तित्व के पुरस्कृत करवाक परिपाटी कायम भेल। परिणाम भेलै गुणात्मक काज गौण भ संख्यात्मक रूवे किछु बलगर भेल बाल साहित्य। विदेह के द्वारा हस्तक्षेप सॅ किछु फर्क पड़ल। विदेह द्वारा पौढ़ साहित्य जकॉ बाल साहित्य मे सेहो निश्शन रचना सोझा आएल।

मैथिलिक पौढ़ साहित्यक शुरूआत मे संस्कृतक प्रभाव रहल। तहिना बाल साहित्य विशेष क कथा मे पौराणिका आधार रहल जे हेमनि धरि देखा रहल अछि। हम एकरा पैराण्विकता क प्राचीन ता सॅ विलगा आधुनिक सोच आधारित सृजन प्रयास केलहु एछ। मुदा एकर सही आकलन त अही सभ पाठक आ आलोचक क सकब ए कविता संगोर मे बाइस गोट कविता संग पहिल बेर एक संग बारह गोट बाल गजलक संगोर समिलात भ सोझा आओत।

मुन्नाजी

बाल कविता

1. **<u>पानि बचाव</u>**

ताल तलैया सब टा सूखलै
मचि गेलै हाहाकार
चिड़ै चुनमुन पानि तकैए
गिद्धक एलै बहार
बोन झाकुर सब अगिया लेसै
धमकै नै चोर चुहार
बादुर सब आब दिनै उड़ै
पर रतिया लगै ओहार
नेना भुटका सुखि कॉकोर भेलै
एलै एहेन अकाल
मौगि पुरूष केर लाज पड़ेलै
भेटै नै ढ़ोलिया कहार
गामक गाम उजड़ि उपटी भेलै
तखने एलै जनमाश जाड़
नेना सवहक भविष्य भुति एलै
आव होयत कत जा ठाढ़
तै बौआ बुच्ची सब के सुनाबी
पानि बचबै के गूढ़ सिखवी

2. **<u>तोताराम</u>**

पहिर के कपड़ा ल के वस्ता
स्कूल चलला तोताराम
चढ़य पहाड़ी टपल धार
नंगटे तोता भ गेल पार
अगिला पॉति छेकलनि असगर
असगर बैसला तोता सौसे बेंच पर
अविते मास्टर पुछलनि सवाल
तोता बेंच स खसला धराम...।

मास्टर बानर जंगल मे केलनि एलान
सबक पुरा करयबला होयत बुधियार
लुक्खी, गीदड़ रटन्त लगौलक
तोता जी कहलनि राम राम
मुरूख शेर दिए सब के ज्ञान
खरहा बिलाड़ी बनैय बुधियार
नील मे रंगिक आयल सियार
तोता जी उड़ि फर फर गेला गाम

3. <u>तूर</u>

अछि उज्जर तूर मुदा रंगिन तुराई
ओढ़लक दाई माई बहिनी आ भाइ
जार मे झॅपल सुरूज भगवान
बनय पकौड़ा आ पकवान
आयल मकर संक्राति ल के मुरही आ लाय
सोना बौआ सोनी दीदी सभ गेल अछि जिददी
जीद स बढैह झाहि पापा मम्मी या हो दाई
तूरक बीनल पहिरी कपड़ा दीया मे बाती तूरक लगावी
तूर कॉटन कहवै आइ तुरक ओढ़ना कही रजाइ

4. <u>सपना</u>

लुक झुक भेलै साझ पहिने
पसरल आव अन्हरिया
शीतल पाटी बिद्दलक बौआ
तनलक आब चदरिया
जाड़क सिहरन पैसल अंग मे
कोना होयत आव पढ़ाई
खाके रोटी, भात नेना
ओदैए आव रजाई
अघरतिया में निन्ने देर
देखि रहल अछि सपना ढ़ेर

पहिने त राजकुमार बनैए
फेर तहन राजकुमार तकैए
गामो घर मे रहि के बौआ
जीवै जीवन शहरिया
उठै भुरूकवा चाहक चाह मे
फेर उठवैए वस्ता स्कूल केर
होइए विदा शिक्षा पवैलेल
संग मे बौआ बुच्ची होइह हजेर

5. **जागू**

जागू भइया बहिनी जागू
बौआ बुच्ची संगिनी जागू
काका काकी दादा दादी
करू शिष्टाचार के लागू
नेना के भेटे वातावरण स्वच्छ
नेना के पाठ पढ़ाउ प्रत्यक्ष अवैत नव तकनीकीक
बले जॅ जीवन काटव रोग दुषित भ रहल शरीर
कते औषध चाटव जड़ी बुटी आ स्वच्छ जलसॅ
करू अपन निवहता
परब बिमार जॅ अपने मुन्नाजी ककरा जा की कहता

6. **प्रदुषण**

धुआॅ धुरा करै दुषित अछि
पर्यावरण केर बाट
चिड़ै चुनमुनी के कहु आव
कत जा लागत गात
लोक बचैए मच्छरदानी
आ0ए0सी0 के उपयोगे
गीदड़ कुकुर कोहरी काटय
भागय दोगा दोगे
माछ आ कछुआ के देखू

औनायल त फीरैए
जले जीवन अछि से बुझि लोक
सबटा माहुर पीबैए

7. किशनजी

हाहाकार मचल सगरो
लेने किशन अवतार मैया बापू घेरने बैसल
अपने खुजल कारागार
छल यमुना उजरल मेघ घुमरल
घटि गेल पानि कए कए पाइर स्पर्श
कंशक छाया सॅ दुर भेल
कृष्ण भेल अनमोल
गोकुल जा राधा के ताकल
रंग रसिया के सब कियो जानल
अछि विश्व मे पुज्य किशनजी
लय के भगवन अवतार

8. भूत बला बात

डौलै छै गाछ पात सिहकै छै बसात
मोन पड़ैए दादी मॉ के भूत बला बात
उठल रही अन्हरोखे एक दिन
गेलहु आमक गाछी
टिकुला के पठार समेटलौ
बिछुलौ महुआ बाकी
उज्जर धप धप नुआ बाली
बिछैत बिछैत गेल बिला
कहलक दादी भाग रौ बौआ
नै त प्रेत जेतौ चिबा

9. बुधियार

दैए मुबारकबाद आव नेना
भाषा आब अंग्रेजी मे

बढ़ी क बनाबय मित्र आव
मात्र सिरखारी पोथी मे
चढ़ल चश्मा नेने बयस मे
छलाह दादा अन्हर एल बुढ़ारी मे
पएर थकै अछि चलव शुरू क
डेगा डेगी दैए आव गाड़ी मे
पढ़ि लिखि क मनुक्ख बनय
बीतै नै दिन अन्हरमारी मे
पढ़ाइक लेल अपने कर्ज
छै लगबैत हाथ नै बापक बखारी मे
विसरिहे नै बौआ कहियो गाम के
एखनो पुरखाक थाती छौ घरारी मे

10. <u>माय</u>

जननी हमर जनम भूमि ही माय
दुधक धार द जेना पोसैए गाय
शील कुल सम्हारय धिया पुता पालय
फॉट भरि एक करय बहिनी आभाय
जखन पिता अविभवक होइ छथि
तहन मायक रूप बनय कसाइ
सुती भिन्न निसभेर भ हम
मुदा माय आँचर झापि ओंघाइ
कइ कोना उत्रण हएब दुधक कर्ज सधाय
सुनू मिनती बनि बाप गोर धरै ही आय

11. <u>निसाफ</u>

आम लतामक गाछी उमरल
ओगरै बौआ बुच्ची
पहिने जाइ छल धन कटनी मे
मचबै छल खुरलुची
देखू अहि खेसारी चतरल

धांगै महीसक छोर बौआ बुच्ची हो हकारा दय
पकड़ैय ओकर डोर
भरल सभा पंचैती मे भेटल जे निसाफ
बौआ बुच्ची बुझनुक भेल
महींसबार पर चढ़लै पाप

12. <u>**विररो बौआ**</u>

उठैट विररो देख के भैया
हमरा देरा देलक
भूत प्रेतक धमकी द
ऑचर मे नुका लेलक
कखनो फेकै ऑकर पाथर
कखनो केशक थोका
हमरा स मुता गेल सारा पर
उठल सौसे देह मे फोंका
राति विराति नै उठि असगर
गाछ लागय डेराओन
भूत प्रेतक बास रहै छै
समय नै लागय सोहाओन
कखनो डारि पात झुइल उठै
कखनो मचै गरदम गोल
सुतली रतिया मे ुनै सब
गहबर मे अपने बजै ढ़ोल
भूत प्रेत सॅ हटले रह बौआ
भूझ जीवन केर मोल

13. <u>**खुशीक दीन**</u>

दाहा देखय गेलियै
लाइ झिल्ली किनलियै
देखलौ दाहा मे मनवैए
घरे घरे मातम

हमर दुर्गा माता अवै छति
क के रावण के वध कचरम
काली मैइया नेने तरूआरी
दै छथि दानव के मृत्यु के घाट उतारि
मकरक मेला लगय सुहाओन
रंग बिरंगक लौना के संग
सलोनी पुर्णिमा मे बांधी राखी
तहिया मास रहेय साओन

14. बौआ बुच्ची

आँखि मुनै रानी भागै राजकुमार
आँगा भागल भइया जाइए
पाछा सँ दौगल बहिन सुकुमारी
हाथ झमौर बहिनी रानी
बौआ पकड़ै लए दौड़ल जाय
मिल के फेर भइया एक भ जाय
घुघुआ झुलै जहन बहिन सियानी
बौआ मायक ठेहुना तोड़य
रूसल बौआ मइया वौसय
औआ देगा देगी दौड़य
खने घर खने आंगन भागय
दलान खरियान सब तर नाचय
खने राजा बने खने राजकुमार
आवि के लैथ कोरा मे बहिन सुकुमारि

15. तीन दोस

गोलू भोलू ढ़ोलूतीन दोस
गेल तीनू मिलाक तीन कोष
कोष नापै मे भेल बुधियारी
तीनू मिलि सजलक क्यारी
गोलू गेल जंगल हाथि आनय

देखिते शेर भेलू ढ़ोलू लागल कानय
बाग बगीचा फूलक शान
तीनू सजा के रखलक मान
जंगलक राजा निकलक शेर
तीनू दोष घेरा गेल
ढ़ोलू के सुझलै नवका चालि
तीनू केलक शेर के घालि
जाल बिछा के फसौलक शेर तीनू मिलि गुलेल स केलक ढ़ेर
पुरे जंगल मे शांति देलक
सब वनवासी तीनू के सम्मान केलक

15. <u>आजुक बजरंगी</u>

सुर्य गिरि के हनुमान कहौलक
सम्पुर्ण विश्व के अन्हार मे दुबौलक
रामायण के बजरंग बलि आजुक बजरंगी खेल देखावै
पेट काटि पाइ बचाबै
तन पर लता नै छै कोनो ठेकान पता नै छै
मइयो कर्मे देश बचाबय
बजरंगी जे मुछ नै राखैय
ओ कत से पुँछ बढ़ाबय
देश जरय छै धू धू स्वंय भ
इ बजरंगी जाइ छै घर बचाबय
एत छै राम के नाम बिकाय
कतौ कखनो छै रहीम कटाय
रावण के संख्या छै गीनल नै जाय
तहन बजरंगि डरे जाइ छै घर नुकाय

17.

रंग बिरंगी सजि सवरलौ
आयल फगुआ पावनि
सब किछु बिसरि एक भ जाउ

सौहादता के पुल बनाउ
राखि के बन्हन मे बधि के
भाय दय बहिन के सनेस
जे किछु बितेय पहुचब हम
कोनो बिपती मे हरब कलेश
चकमक चकमक दीपकेर पावनि
सबहक घर बाहर साफ कराबय
लक्ष्मी मा ओकर घर मे आबय
गला मिली के दियौ मुबारक
इद के पवित्र पाविनी मे
नवका कुर्ता कुर्ती पहिरू
महजित पर सिर झुकावन मे
किसमस केपर्व अपूर्व
जगमग चमकय गिरिजा घर
मसीह अवै छथि पवित्र हृदय मे
सब बधाइ जा दिए घर घर

18. देशभक्ति

आउ बौआ बुच्ची आउ
सब सज्जन खुरलुची आउ
देश भक्ति मे हम मिली गावी
शान्ती प्रीत केर गीत
कालू आवय राजू आवय
सब मिलि बनू मीत
मिथिला केर सोना सोनी
पश्चिम सॅ डिसुजा जानी
पुरब सॅ सोनाली दक्षिण सॅ लक्ष्मी रानी
देश के बान्ही एक सुत्र मे
सब के अपन मानी

19. सिरखरि पोथि

सिरखारि पोथि अछि भरि गेल नवका दोस
कियो करीबी कियो अनजान कियो दुर अछि कोस
आकाशी सपना ल सुन्नर मन बहटारी
प्रेम भाव मे बाधक भ कियो परि जए भारि
समय कटि के करी भबिष्य के दुरी
भ जए कखनो कटटम कटटाबाजी ने फेर धुरि
नव कला विज्ञान के अपन मोनक ज्ञान के
करी आदान प्रदान सबहक बीच अर्न्तध्यान के
गाम शहर के फौट मेटाबी जोड़ी नव नव प्रीत
सुसंस्कार बिसरा जए कखनो सिखी नव रीत

20. भारत मा केर लाल

भरत मा केर लाल ही हम
दुश्मन केर त काल ही हम
अ से अप्पन के बचा के राखी
मुदा अनको लेल बेहाल ही हम
शीश झुकाउ सतत धरती पर
सिर झुकय नै कखनो दुश्मन के आगू
देश बटय बला के दियय काटि
कखनो डरि के सोझो से नै भागू
हे बौआ हे बुच्ची सुनू
अनसोहात देखि ऑखि नै मूनू
पढ़ि लिखि बनू देश केर शान
चाहे देशक खातिर दियय पड़ए जान

21.गीत गाछ बचाव

पाथर नंघलौ जंगल नंघलौ
नांघि चढ़लौ सब कियो पहाड़
बादल राजा एक बेर मानियौ
सब के दियौ बरखा के उपहार
जंगल कटलौ पवंत कटलौ

थोड़ थोड़ के खेती बॅटलौ
वौनक भ गेल उजाड़
वायु प्रदुषण घेरलक सबके
पानि भेल सबहक परार
हाथ जौड़े छी पएर परै छी
करी निहोरा सब गोरा
पानिक बरखा ज हेतै नै
कोना बनतै धानक मोढ़ा
अप्पन अप्पन सुख तकै छी
पशु के कहै छी बेमार
सुरूज चन्ना दोषी देखाइए
वोनक दलाल के दै छी हकार
मानि जाउ हे बादल राजा
बचएव सब वन उपवन
कारी क मेघ दियय अहॉ
जाहि सॅ बाचय जीव आ जन
जाउ जमीन पर सब कोइ
रोकू बोन आ वायु प्रदुषण
सब मिलि सोचु सबहक हित
सदा खुशी रहब सब जन

22.

ईश्वर अल्ला मिलि के बनौलनि एक इंसान
मनुक्ख मनुक्ख के बनौलक अछि शैतान
बौआ बुच्ची के द शिक्षा दियौ नीक ज्ञान
करय प्रतिष्ठा उच अहॉ केर देशक राखय शान
देखू इ दुनिया जहान............देखू ई..............
अछि कामना सब मिलि आगू बढ़ी हम
रही हसैत हॅसबैत सदिखन आवय ने गम
हाथ जोड़ि करी विनती इ दुनिया अछि महान

एक दोसर के मदति करय जे उएह सच्चा इंसान
देखू ई दुनिया……………………

1. <u>बाल गजल</u>

निर्मल मन मॉगय पितृ दाया
मॉ पिता बनवय नेना के काया
शिक्षा संस्कार करै दृढ़ विचार
भविष्य मे नै हो मोन मे अन्हार
जाति धर्म के विद्वेश मेटाबय
मन स्वच्छ निरपेक्ष बनाबय
रहै शहरूआ आकि हो गमैया
एक मिलि के रहे बहिनी भैया
सेवा भाव मे हम रही लागल
झगड़ा रहय सतत भागल
नव विचार हस्तांरित हुअए
विषमता विद्वेष पुरे धुअए

2.

सब फल मे आम फल के राजा होइछ
कहु यौ नेना तहन रानी के कहबैछ
शेर दहाड़ै जंगल मे बनि के सम्राट
शेरनी रहे नुकालय छौड़ै नैए बाट
कमल ठाढ़ पानि मे बनि देश के शान
बॉटि कली गुलाबक प्रेम के फूकै जान
उगैत भुरूकवा कौआ मचवै शोर
मेघक बेर नाचय राष्टीय मोर
एखनो तिरंगा भारत के राखैय शान
युवा भ बौआ अहॉ राखव एकर मान

3.

मौलायल सन कली लगैए
फूलेबाक समय त द के देखू

अछि सेहेन्ता जॅ पहलबानी के
मटिएल अखाड़ा द के देखू
राजनिति केर मोन ज मानय
पहिरना खददर त द के देखू
ही ज अपराध विज्ञान जगौने
हाथ मे बन्दुक त द के देखू
चोरि चुहारक मुहुर्त बनैए
भरल सन्दुक त द के देखू

4.

बढ़ि के बौआ बनब की पढ़ि की पढ़ि के बौआ करब की
माय बाप स सीख आइ नव समाज गढ़ब की
चलि चरित्र निर्माण पर गढ़ब नै मढ़ब की
अन्तजाल के युग मे जीवी आबो भटटा धरब की
ज प्रशिक्षित भेलौ नै त शिक्षित भ के सड़ब की
तो राम बन रावण बनी फेर सीता हरब की
गाम के फॉट भर वन मे रहि खदा भरब की
चल देख सुनि के खालियो बाट पर भरब की
सर समाज के सम्हार बेरि बिपती मे पड़ब की
हत काज ज लोकक जान देब पर अरब की

5.

हेलो हाय मे बीतै दुनिया
फेसबुकिया दिमाग देखू
छोटे वच मे अछि बेहाल
बिनू काजो दौड़ भाग देखू
अछि घर से सतत दुर
संग्राम मे अनुराग देखू
किशोर भए मोन बेहाल
प्रेम फॉस उपराग देखू
अपना के समएल युवा

स्वयं तकैत सुराग देखू
छै देखैत सपना बड़का
भगैत दुर दराज देखू

6.

पढ़ै लिखैय मे मोन नै लागय
तहन करि निहोरा थान मे
हाथ जोड़ि कय करी विनती
रहे बॉचल देश सम्मान मे
माय बाप जे छल निरक्षर
पढ़य माय बाप के गान मे
गीता बाइबल एक बनल
नीके शिक्षा भेटत कुरान मे
नेन मति बीतल नेना मे जा
देश के बढ़ायब जुआन मे

7.

कखनो सिपाही कखनो चोर बनी हम
कखनो ल के लाठी धौड़ दौड़ करी हम
नुका चोरि आ आस पास केर खेली खेल
कखनो कुदी पानी कखनो पकड़ी रेल
बन्न दुआरिक भीतर पकरि के राखू
घर के बुझ नेना सब अपन जेल
कखो खेत मे घुमी खरिहान मे घुमी
फेर कखनो बाबाजी के दलान मे घुमी
नेनमति अप्पन चाही फेर दोहरावी
मुदा बीतल समय कहॉ सॅ फेर पावी

8.

देखू कुटरै मात्र तिलकोर
हरियर सुग्गा के लाल ठोर
पंख पसारी के उड़ल सुग्गा

सोना रानी के लागल बुकोर
जखने सुग्गा उड़ल आकाश
उगल चान आयल चकोर
पीने देखै छलौ कौआ मैना
आइ त देखलौ नाचति मोर
बौआ बुच्ची संग मिलि खेलय
कियो सिपाही कियो भेल चोर
पसरल मेध मे बुन्ना बुन्नी
कियो पुरे भीजल कियो थोड़े

9.

नाचय थइया थइया देखू
संग मे बहिनी भइया देखू
डेगा डेगी द भगेल बुधियार
बौआ बुच्ची संग बढ़ल प्यार
ताता थइया बुच्ची नाचय
पाछा स दौगल बौआ आबय
दुनू बढ़ि के भेल होशियार
तैयो विदेत के करय नियार
पहिने दुनू लड़य लड़ाइ
फेर मिलि जए बहिन भाई

10.

झुग्गी केर भीतर बाहर दुखू
सब मिली गन्ध गन्ध गन्हा गेलैए
माय उमेर लागय पचपन
नेना के नेनपन छिना गेलैए
एकरा नै रोटी नै पानी भेटै छै
गंजन सदिखन गारि भेटै छै
नै कियो सिलेट नै पोथि देलकै
चोर चुहार के चोथी देलकै

ऐ स की देशक भविष्य देखन
नै अवसर की राष्ट परेखनवव

11.

देखू सोना बौआ आओर सोनी बुच्ची
सब मिली अछि भविष्य केर लाल
करतब एकरा सँ उच कराउ
तहन चमकाओत देशक भाल
कियो अछि गुलाब कियो जुही चम्पा
बनि कमल कियो करत कमाल
सब फूल केर एक बनाउ क्यारी
ई कली मौला नै दिए कोनो दलाल
पढ़ि लिखि देशक शान बढ़ावय
बढ़ि क कहाबय हीरो हीरा लाल

12.

बौआ बुच्ची सज्जन खुरलुच्ची
भटै माफी करै नादानी मे
राजा रानी सब केर पिहानी
भटै दादा दादी नाना नानी मे
नेना मे मचावी ज हुड़दंग
होई छल माफ बचकानि मे
करैत छलहु तंग सब के
देखेलौ प्रतिभा किरदानी मे
जेब मे धेने हाथ सदिखन
घुमैत रहलहु फुटानी मे